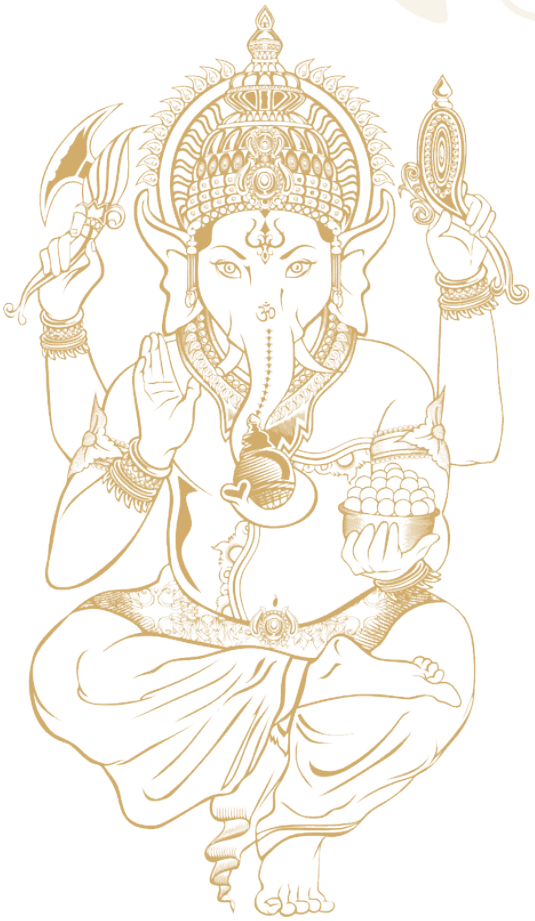

??????

03 Feb 2026

03:38 PM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121385305

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**03/02/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**15:38:00 घंटे**
इष्ट	21:17:17 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:18:48 घंटे
वेलान्तर	-00:13:48 घंटे
साम्पातिक काल	00:13:13 घंटे
सूर्योदय	07:07:05 घंटे
सूर्यास्त	17:59:17 घंटे
दिनमान	10:52:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	20:21:30 मकर
लग्न के अंश	21:05:26 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शोभन
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मू-मुक्ता
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	21:05:26	313:17:13	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	---
सूर्य			मक	20:21:30	01:00:50	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	09:38:16	13:36:25	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	14:24:04	00:47:01	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
बुध		अ	मक	29:32:23	01:46:23	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:52:23	00:06:23	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मक	26:59:34	01:15:15	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	04:39:31	00:06:03	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:48:38	00:00:27	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:48:38	00:00:27	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:14:11	00:00:02	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:59:03	00:01:43	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:33:00	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	09:22:41	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

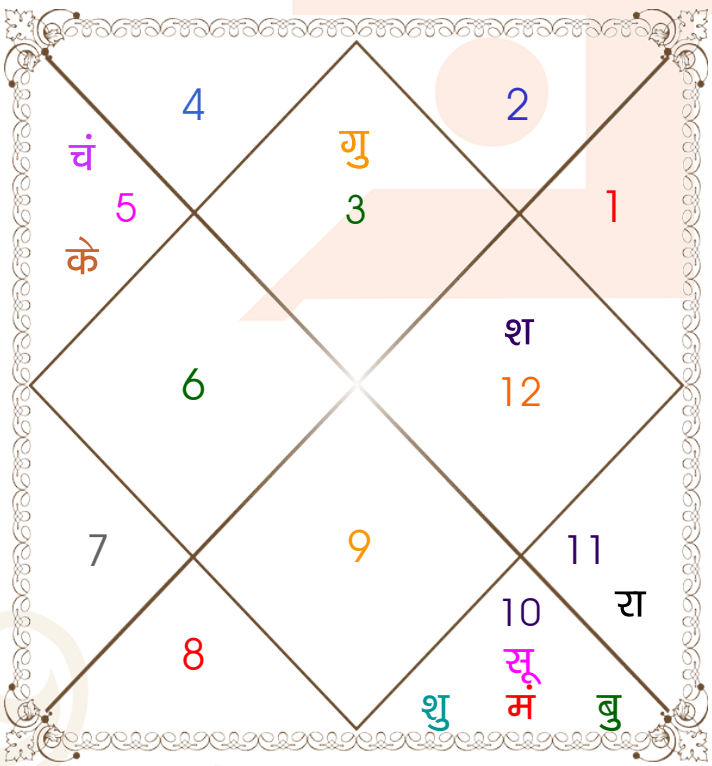

चन्द्र कुंडली

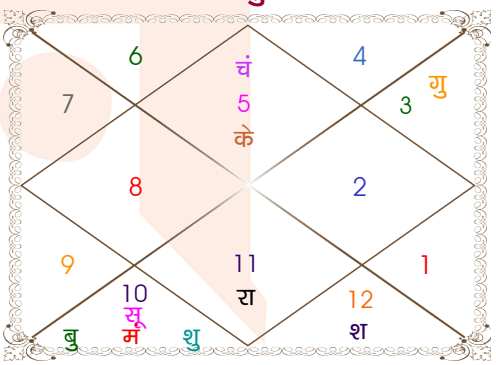

नवमांश कुंडली

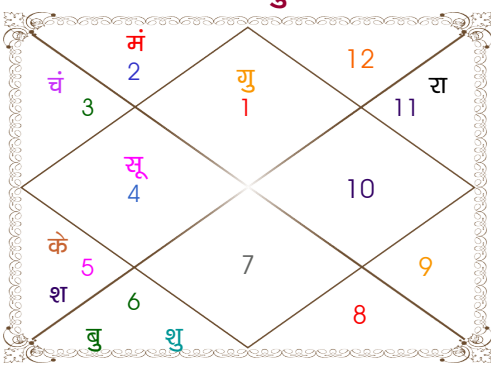

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 11 मास 8 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/02/2026		13/01/2028		13/01/2048		12/01/2054		13/01/2064	
13/01/2028		13/01/2048		12/01/2054		13/01/2064		13/01/2071	
	00/00/0000	शुक्र	14/05/2031	सूर्य	01/05/2048	चंद्र	13/11/2054	मंगल	10/06/2064
	00/00/0000	सूर्य	14/05/2032	चंद्र	31/10/2048	मंगल	14/06/2055	राहु	28/06/2065
	00/00/0000	चंद्र	12/01/2034	मंगल	08/03/2049	राहु	13/12/2056	गुरु	04/06/2066
	00/00/0000	मंगल	14/03/2035	राहु	31/01/2050	गुरु	14/04/2058	शनि	14/07/2067
	00/00/0000	राहु	14/03/2038	गुरु	19/11/2050	शनि	13/11/2059	बुध	10/07/2068
	00/00/0000	गुरु	12/11/2040	शनि	01/11/2051	बुध	13/04/2061	केतु	07/12/2068
	03/02/2026	शनि	13/01/2044	बुध	06/09/2052	केतु	12/11/2061	शुक्र	06/02/2070
शनि	16/01/2027	बुध	13/11/2046	केतु	12/01/2053	शुक्र	14/07/2063	सूर्य	13/06/2070
बुध	13/01/2028	केतु	13/01/2048	शुक्र	12/01/2054	सूर्य	13/01/2064	चंद्र	13/01/2071

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
13/01/2071		12/01/2089		13/01/2105		14/01/2124		13/01/2141	
12/01/2089		13/01/2105		14/01/2124		13/01/2141		00/00/0000	
राहु	25/09/2073	गुरु	02/03/2091	शनि	17/01/2108	बुध	11/06/2126	केतु	11/06/2141
गुरु	18/02/2076	शनि	13/09/2093	बुध	26/09/2110	केतु	09/06/2127	शुक्र	11/08/2142
शनि	25/12/2078	बुध	19/12/2095	केतु	05/11/2111	शुक्र	09/04/2130	सूर्य	17/12/2142
बुध	14/07/2081	केतु	24/11/2096	शुक्र	04/01/2115	सूर्य	13/02/2131	चंद्र	18/07/2143
केतु	01/08/2082	शुक्र	26/07/2099	सूर्य	17/12/2115	चंद्र	14/07/2132	मंगल	14/12/2143
शुक्र	01/08/2085	सूर्य	15/05/2100	चंद्र	18/07/2117	मंगल	12/07/2133	राहु	01/01/2145
सूर्य	26/06/2086	चंद्र	14/09/2101	मंगल	27/08/2118	राहु	29/01/2136	गुरु	08/12/2145
चंद्र	26/12/2087	मंगल	20/08/2102	राहु	03/07/2121	गुरु	06/05/2138	शनि	04/02/2146
मंगल	12/01/2089	राहु	13/01/2105	गुरु	14/01/2124	शनि	13/01/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 11 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के प्रथम चरण में मिथुन लग्न में हुआ था। मिथुन लग्नोदय के साथ-साथ मेष का नवांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म के प्रभाव से यह सुनिश्चित होता है कि आपका जीवन आरामदायक एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। मुख्यतः आपके जीवन का स्वर्णीम काल आपकी आयु के पचीसवें वर्ष से प्रारंभ होगा। आपके जन्म की आकृति निःसंदेह रूप से आपके अनुकूल है। परंतु इसका अर्थ यह नही है कि आप पिछली कतार में आबद्ध होकर, सुगमता पूर्वक उपलब्धियां प्राप्त कर लें। अर्थात् कुछ भी प्राप्त करना आसान नही है। आशा की जाती है कि आप जिस वस्तु को प्राप्त करना चाहती हैं उस वस्तु अर्थात् आपकी अपेक्षा का लाभ स्वतः यंत्रवत् प्राप्त कर लेंगी। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु परिश्रम करना स्थगित कर देंगी तो आपका लक्ष्य असफल हो जाएगा। यदि आप समस्याओं के साथ संघर्ष करेंगी तो निश्चित सफलता मिलेगी।

मिथुन लग्न राशि के प्रभाव से ज्ञात हो रहा है कि आप चंचल बुद्धि की प्राणी हैं। आप जो कुछ भी लाभांश प्राप्त करना चाहती हैं, उसकी प्राप्ति हेतु प्रायः आप अपने काम व्यवसाय को निश्चित रूप से बदल सकती हैं। यदि आप अपने जीवन में सफल होकर उन्नति करना चाहती हैं तो सोच समझ कर प्रस्तुत कार्य-व्यवसाय को पूरा कर लें कार्य करने के लिए कोई बीच का रास्ते बिना निकाले कार्य संपन्न करने की योग्यता आप में विद्यमान है तथा आप ऐसा कर सकती हैं।

आपकी महान संपत्ति आपकी बड़ी अभिलाषाओं की पूर्ति नहीं करेगी। यदि आप में मानवीय गुण का अभाव है। आप कुछ धन या वस्तु प्राप्त कर संतुष्ट हो जाती हो कार्य चाहे छोटा ही क्यों न हो। आप अन्य लोगों के प्रति समर्पित भाव तथा अपनी योजना को सुनिश्चित करने के लिए सहयोगात्मक प्रवृत्ति से युक्त आपकी मनोवृत्ति मिलनसार है तथा आपका जीवन धन एवं प्रसन्नता युक्त रहेगा। आप प्रर्याप्त मात्रा में पर्यटन का सुअवसर प्राप्त करती हो। इस कारण वश आपके नये-नये मित्र बन जाते हैं। वे लोग आपकी सहायता करेंगे।

आपका एक शांतिपूर्ण भवन होगा। जहां निवास कर आप अपने पति एवं संतान के साथ आनंद पूर्वक जीवन बिताएंगी। परंतु आपका परिवार आपके आदान-प्रदान से संबंधित अनुभव करेंगे कि आप अपने जीवन साथी के प्रति किस हद तक समर्पित हैं। अन्य पुरुष के प्रति आपका आकर्षण तथा आप काम वासना के प्रति लुभाने वाली तथा विचलित हो जाने वाली महिला हैं। आपके प्रति विपरीत योनि के लोग आकर्षित हो जाते हैं। क्योंकि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य तथा आपकी आंखें आकर्षक हैं। बल्कि आप लंबे-सीधे एवं लंबे पैरों से युक्त हैं।

आप अतिशीघ्रता पूर्वक उच्च सफलता के शिखर पर पहुंच सकती हैं यदि आप लेखन कार्य पत्रकारिता अथवा पुस्तक प्रकाशन, ज्योतिषीय कार्य, शिक्षण कार्य अथवा न्यायिक कार्य, अर्थात् वकालत पेशे से संबंधित हो जाएं। आप स्वस्थ्य एवं आनंदित रहेंगी। परंतु आप बवासीर, उदर संबंधित असामान्यता तथा श्वांस नली संबंधित रोग से ग्रसित हो सकती हैं। अतः आप शीघ्रता पूर्वक वैकल्पिक सावधानी बरते।

आपके लिए अनुकूल एवं मनभावन रंग सफेद हैं परंतु यह आपको अनुकूलता प्रदान नहीं करता। आपके लिए पीला, गुलाबी, बैंगनी, नीला एवं हरा रंग अभिष्ट है। आप अपनी मनोवृति को सफेद रंग के प्रति बदल दें तथा लाल एवं काले रंग का पत्यिाग करें।

आपके लिए अनुकूल एवं स्पंदित अंक 7 एवं 3 अंक है परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।